अपार्टमेंट के बेसमेंट में कॉमर्शियल एक्टिविटी, शहर की सेफ्टी पर सवाल

DANGER DOWNSTAIRS

नियमों की खुली अनदेखी पर भी एडमिनिस्ट्रेशन है बेखबर

patna@inext.co.in

PATNA (27 May): राजधानी पटना में मल्टीस्टोरी अपार्टमेंट्स के बेसमेंट अब पार्किंग के बजाय कमाई का जरिया बनते जा रहे हैं. कहीं गोदाम चल रहे हैं तो कहीं शॉप्स और छोटे-छोटे ऑफिस. जिन जगहों को इमरजेंसी के समय लोगों की सेफ्टी और व्हीकल पार्किंग के लिए बनाया गया था, वहां अब खुलेआम कॉमर्शियल एक्टिविटी संचालित हो रही है. सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस गंभीर खतरे के बावजूद पटना नगर निगम (पीएमसी) और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर नहीं आ रहा. सवाल यह उठ रहा है कि क्या एडमिनिस्ट्रेशन किसी बड़े एक्सीडेंट का इंतजार कर रहा है? शहर के कई अपार्टमेंट्स में बेसमेंट का इस्तेमाल बिल्डिंग बायलॉज और फायर सेफ्टी रूल्स के खिलाफ किया जा रहा है. इसके बावजूद जिम्मेदार डिपार्टमेंट की कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित दिखाई देती है.

हो रहा कॉमर्शियल इस्तेमाल

बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन रूल्स के मुताबिक बेसमेंट का उपयोग केवल पार्किंग, इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट या जरूरी सर्विस के लिए किया जा सकता है. लेकिन पटना के कई पॉश इलाकों में स्थिति बिल्कुल उलट है. बेसमेंट में रेंट पर दुकानें चलाई जा रही हैं. स्टॉक रखा जा रहा है और कुछ जगहों पर मिनी ऑफिस तक ऑपरेट हो रहे हैं. लोकल लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें की गईं. लेकिन एक्शन के नाम पर सिर्फ नोटिस जारी कर खानापूर्ति कर दी गई. कुछ दिनों तक एक्टिविटी बंद रहती है और फिर पहले की तरह कारोबार शुरू हो जाता है. इससे साफ है कि रूल्स तोड़ने वालों में एडमिनिस्ट्रेशन का कोई डर नहीं बचा है.

PIC: DAINIK JAGRAN-INEXT

बेसमेंट में चल रही अवैध दुकानें.

बेसमेंट में रखा कबाड़.

एक्सीडेंट की आशंका, लेकिन जिम्मेदार बेपरवाह

एक्सपर्ट्स की मानें तो बेसमेंट में अवैध कॉमर्शियल एक्टिविटी किसी टाइम बम से कम नहीं है. बंद जगहों में अत्यधिक इलेक्ट्रिकल लोड, ज्वलनशील सामान और पर्याप्त वेंटिलेशन की कमी आग लगने की स्थिति में हालात को बेहद खतरनाक बना सकती है. यदि किसी अपार्टमेंट के बेसमेंट में आग लग जाए तो धुआं पूरे बिल्डिंग में तेजी से फैल सकता है. ऐसे में ऊपर रहने वाले लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है. पार्किंग एरिया में अवैध कब्जे के कारण फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमों को भी अंदर पहुंचने में परेशानी होगी.

सेफ्टी से समझौता नहीं

अपार्टमेंट में रहने वाले लोग अब एडमिनिस्ट्रेशन से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि बेसमेंट पार्किंग के लिए बने हैं, न कि कॉमर्शियल एक्टिविटी के लिए. लोगों का साफ कहना है कि जब तक रूल्स तोड़ने वालों पर भारी फाइन और लीगल एक्शन नहीं होगा, तब तक यह खेल बंद नहीं होगा. राजधानी में लगातार बढ़ते अर्बनाइजेशन के बीच यह मुद्दा सिर्फ रूल्स वॉयलेशन का नहीं, बल्कि हजारों लोगों की सेफ्टी से जुड़ा हुआ है. अब देखना यह है कि पटना नगर निगम चेतता है या फिर किसी बड़े एक्सीडेंट के बाद ही सिस्टम की नींद टूटेगी.

> विजिलेंस टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है. पहले भी पटना नगर निगम की ओर से कार्रवाई की गई है. शिकायत मिलने पर फिर एक्शन लिया जाएगा.
>
> राजन सिन्हा, अपर नगर आयुक्त, पटना नगर निगम

अधिकारियों से सीधे सवाल

जब आई नेक्स्ट ने निगम के अधिकारियों से इस मुद्दे पर सीधे सवाल किए तो अधिकारियों ने दावा किया कि विजिलेंस टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि पहले भी कार्रवाई की गई है और शिकायत मिलने पर आगे भी एक्शन लिया जाएगा. हालांकि बड़ा सवाल यही है कि यदि मॉनिटरिंग लगातार हो रही है तो फिर कॉमर्शियल एक्टिविटी अब तक बंद क्यों नहीं हुई? जिन अपार्टमेंट्स में रूल्स का उल्लंघन खुलेआम हो रहा है, वहां स्थायी एक्शन क्यों नहीं हो रहा? क्या एडमिनिस्ट्रेशन केवल शिकायत का इंतजार करेगा या खुद भी ग्राउंड लेवल पर सख्ती दिखाएगा?

PATNA CALLING!

बेसमेंट में चल रहे अवैध कार्य पर प्रशासन के रवैये पर आप अपनी राय भी हमसे यहां मैसेज के जरिए शेयर करें.

यहां व्हाट्सएप करें 8987063184

नोटिस से नहीं, सख्त एक्शन से बनेगी बात

शहर में तेजी से बढ़ती मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स के बीच बेसमेंट सेफ्टी एक बड़ा मुद्दा बन चुका है. लेकिन फिलहाल नगर निगम का रवैया "शिकायत आएगी तो देखेंगे" वाला नजर आ रहा है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि जरूरत व्यापक सर्वे, रेगुलर इंस्पेक्शन और सख्त पेनल एक्शन की है. केवल नोटिस जारी करने से समस्या खत्म नहीं होगी. यदि समय रहते अवैध कब्जों और कॉमर्शियल इस्तेमाल पर रोक नहीं लगी तो आने वाले दिनों में कोई बड़ा हादसा पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर सकता है. तब जवाबदेही और कार्रवाई की बातें शायद बहुत देर से याद आएंगी.

सिपाही भर्ती के 19,838 पदों का रिजल्ट जारी

patna@inext.co.in

PATNA(27 May): केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने बुधवार को सिपाही के 19,838 पदों का परिणाम जारी कर दिया. सेलेक्ट स्टूडेंट्स में 12 हजार 509 पुरुष, सात हजार 312 बिहार मूल की महिलाएं और 17 मंगलामुखी (ट्रांसजेंडर) शामिल हैं. परिणाम पर्षद की आधिकारिक वेबसाइट https://csbc.bihar.gov.in पर देखा जा सकता है. सेलेक्ट स्टूडेंट्स को 20 जून से 19 जुलाई के बीच योगदान देना होगा. पुलिस महानिदेशक व केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने सरदार पटेल भवन स्थित पुलिस मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि लिखित परीक्षा जुलाई-अगस्त 2025 में छह चरणों में हुई थी. इसके बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा 15 दिसंबर 2025 से 11 मार्च 2026 तक पटना में आयोजित की गई थी. परीक्षा के लिए 17 लाख छह हजार 628 स्टूडेंट्स ने पंजीकरण कराया था. इनमें से 13 लाख 30 हजार 121 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में शामिल हुए. लिखित परीक्षा के आधार पर 99 हजार 690 स्टूडेंट्स का पीईटी के लिए चयन किया गया, जिनमें से 79 हजार 932 अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए. इसमें 50 हजार 477 पुरुष, 29 हजार 426 महिलाएं और 29 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल थे. पीईटी में प्रदर्शन के आधार पर कुल 19,838 स्टूडेंट्स का चयन किया गया है. इनमें 16 हजार 852 स्टूडेंट्स का चयन बिहार पुलिस तथा 2,986 स्टूडेंट्स का बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के लिए हुआ है.

CITY BRIEFS

दहेज टॉर्चर के बाद विवाहिता की हत्या

PATNA: आलमगंज थाना पुलिस ने मारपीट कर पत्नी को छत से फेंक हत्या किए जाने के आरोप में आरोपित पति को जेल भेज दिया. आलमगंज थाना पुलिस ने बताया कि गायघाट के नालबंद टोला निवासी पति विकास कुमार को जेल भेजा गया है. मृतका राधा कुमारी के पिता मालसलामी थाना क्षेत्र के मुरारपुर निवासी नकुल प्रसाद के बयान पर प्राथमिकी हुई है. आरोप है कि दामाद समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोग रुपयों की मांग को लेकर बेटी को प्रताड़ित करते थे.

उचक्कों ने पोस्टमैन का पार्सल उड़ाया

PATNA: आगमकुआं थाना क्षेत्र के कांटी फैक्ट्री रोड में डाक पार्सल पहुंचाने गये पोस्टमैन का उचक्कों ने पार्सल उड़ा लिया. पोस्टमैन अजय कुमार ने आगमकुआं थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी करा कार्रवाई की गुहार लगाई है. पीड़ित ने पुलिस को बताया कि एक पार्सल पहुंचाने गया था तथा दूसरा साइकिल में टंगा था. जब लौटा तो पार्सल गायब था. पोस्टमैन की सूचना पर डायल 112 की पुलिस पहुंची. आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन करने के बाद भी पार्सल नहीं मिला.

लूटपाट में शामिल नौ आरोपित गिरफ्तार

PATNA: गर्दनीबाग थाने की पुलिस ने शराब तस्करी और लूटपाट से जुड़ी तीन अलग-अलग घटनाओं में शामिल नौ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है. चेकिंग के दौरान 15 नंबर पुल के पास तलाशी के क्रम में एक ऑटो से 31 लीटर शराब जब्त की गई. इसमें शामिल पांच लोगों को पकड़ा गया. ऑटो भी जब्त कर लिया गया. चेकिंग में स्कूटी पर जा रही दो महिलाओं को रोका गया. स्कूटी की तलाशी लेने 52 लीटर शराब बरामद हुई.

मोबाइल झपटकर बाइक सवार फरार

PATNA: दीदारगंज चेकपोस्ट के समीप बाइक सवार झपटमार गिरोह ने नालंदा के हिलसा निवासी राकेश रंजन सुधांशु से दो मोबाइल झपटकर फरार हो गए. पीड़ित ने बताया कि बाइक से हिलसा से पटना आने के क्रम में दीदारगंज चेकपोस्ट के समीप एक बाइक पर सवार बदमाशों ने दो मोबाइल झपट कर फरार हो गए. पीड़ित ने बताया कि टाल प्लाजा तक भाग रहे बाइक पर सवार बदमाशों का पीछा किया लेकिन वे भागने में सफल रहे.

घर से बाजार निकली नाबालिग लापता

PATNA: आगमकुआं थाना क्षेत्र में घर से बाजार निकली 17 वर्षीया नाबालिग रहस्यमय ढंग से लापता है. पिता ने पुलिस को बताया कि शाम लगभग सात बजे किसी कार्य के लिए घर से निकली और नहीं लौटी. संभावित स्थानों पर खोजबीन करने के बाद भी पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचित किया. पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी कर मामले की छानबीन की जा रही है.

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN: [illegible]
Registered Office: [illegible], Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680567, Kerala, India

नीलामी सूचना

[illegible] 16.06.2026 को सुबह 10.00 बजे से [illegible]

[illegible]

[illegible] 9072607147 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फाइनेंस लि. केतु.

बम धमाका मामले में कोर्ट में पेशी

पार्सल बम मामले में अदालत में पेश हुए डॉ. त्यागराज

patna@inext.co.in

PATNA(27 May): दरभंगा रेलवे स्टेशन पर पार्सल उतारने के दौरान हुए बम धमाके के मामले में बुधवार को एनआइए की विशेष अदालत में पटना के जिलाधिकारी डा. त्यागराजन एसएम. ने गवाही दी. अदालत में उन्होंने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोजन चलाने के लिए जारी स्वीकृति आदेश की पुष्टि की. डा. त्यागराजन ने अदालत को बताया कि 17 दिसंबर 2021 को हुए धमाके के समय वह दरभंगा के डीएम पद पर तैनात थे और उन्होंने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत अभियोजन स्वीकृति दी थी. उन्होंने अदालत में अपने हस्ताक्षरयुक्त स्वीकृति आदेश की पहचान भी की. विशेष लोक अभियोजक राम विनय सिंह ने बताया कि विस्फोटक सामग्री सिकंदराबाद से विशेष ट्रेन के जरिए पार्सल के रूप में दरभंगा भेजी गई थी. पार्सल उतारने के क्रम में प्लेटफार्म नंबर-2 पर जोरदार धमाका हुआ था. इससे रेलवे स्टेशन परिसर में अफरातफरी मच गई थी.

कंट्रोल रूम से होगी मॉनिटरिंग

PATNA(27 May): राजधानी में मानसून के दौरान जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए बुडको इस बार आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करेगा. शहर में जलभराव की रियल टाइम निगरानी के लिए अत्याधुनिक कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है, जो 30 मई तक काम करना शुरू कर देगा. इस सिस्टम से शहर के प्रमुख नालों, जलजमाव वाले इलाकों और पंप हाउसों पर 24 घंटे नजर रखी जाएगी. नालों में पानी का स्तर तय सीमा से ऊपर पहुंचते ही पंप अपने आप चालू हो जाएंगे. बुडको ने जल निकासी व्यवस्था के लिए 56 स्थायी और 35 अस्थायी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन तैयार किए हैं. इनके जरिए कुल 364 पंप लगाए गए हैं. इनमें 265 इलेक्ट्रिक और 99 डीजल पंप शामिल हैं. स्थायी स्टेशनों पर 256 और अस्थायी स्टेशनों पर 83 पंप लगाए जा चुके हैं. इस वर्ष आठ नए ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन भी तैयार किए गए हैं.

एक दिन में 90 मेगावाट घटा बिजली लोड

patna@inext.co.in

PATNA(27 May): राजधानी में उमस भरी गर्मी के बीच बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है. हालांकि मंगलवार को मौसम में हल्की राहत मिलने से बिजली खपत में कमी दर्ज की गई. सोमवार को पटना इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई यूनिट (पेसू) क्षेत्र में अधिकतम बिजली लोड 840 मेगावाट था, जो मंगलवार को घटकर करीब 750 मेगावाट रह गया. इस तरह एक दिन में करीब 90 मेगावाट बिजली खपत कम हो गई. तापमान में हल्की कमी और हवा चलने के कारण लोगों ने एसी, कूलर और अन्य बिजली उपकरणों का कम इस्तेमाल किया. इसका सीधा असर बिजली मांग पर पड़ा. हालांकि, आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की मांग फिर तेजी से बढ़ सकती है. राजधानी में बढ़ती बिजली खपत का असर ट्रांसफार्मरों पर साफ दिख रहा है. ज्यादा लोड के कारण कई इलाकों में फ्यूज उड़ने और बिजली बाधित होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं.

रियल एस्टेट में अपार संभावनाएं

PATNA(27 May): बिल्डर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (बीएआइ) के इंस्टालेशन कार्यक्रम सह कार्यशाला में बिहार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में रियल एस्टेट क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं. सरकार इसे बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने बिल्डरों की समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्रियों से सहयोग लेने का भरोसा दिलाया. मंत्री ने कहा कि एमएसएमई के तहत निबंधन होने के बावजूद बिल्डरों को योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है.